

असाधार ण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 539]

नई दिल्ली, मंगलवार, विसम्बर 20, 1977/श्रवहायश 29, 1899

No. 539]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 20, 1977/AGRAHAYANA 29, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Dellu, the 20th December 1977

S.O 846(E)/15/IDRA/77.—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S O 799(E)/15/IDRA/77 dated the 1st December, 1977, namely—

In the said Order: ---

- (1) under the heading "Member", after serial No 2, the following serial number shall be inserted, namely —
- "3. Shri R Ramanijam, Under Secretary, Ministry of Industry, New Delhi--Member Secretary"
- (ii) in the third paragraph, for the words "an investigation into the possibility of restarting" the words "a full and complete investigation into the working of" shall be inserted.

[No. F 2(24)/76-CUC]

G. V. RAMAKRISHNA, Addl Secy.

(2981)

उद्योग मंत्रालय

(ब्रौद्योगिक विकास विभाग)

श्रावेण

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1977

का० ग्रा॰ 846 (ग्र)/15/ग्राई॰ डी॰ श्रार॰ ए०/77.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (ग्रीद्योगिक विकास विभाग) के भादेश स॰ का॰ ग्रा॰ 799 (ई)/15/ग्राई॰ डी॰ ग्रार॰ ए०/77 तारीख 1 दिसम्बर, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रर्थान —

उक्त ग्रादेश मे--

- (i) 'सदस्य' शीर्षक के अधीन क्रम संख्या 2 के पश्चात निम्नलिखित क्रम सख्या अन्तः-स्थापित की जाएगी, श्रथांत् :---
 - "3. श्री श्रार० रामानुजम, सदस्य-सचिव'' श्रवर सचिव, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली ।
- (ii) तीसरे पैरा में, "पुन प्रारम्भ करने की सम्भावना की जांच करने के प्रयोजन" के स्थान पर "कार्यकरण का समस्त और सम्पूर्ण श्रन्वेषण करने के प्रयोजन" रखे जाएंगे।

[सं०फा० 2 (24)/76—सी०यू०सी०] जी० नी० रामाकृष्णा, भ्रपर सचिव ।